

अब स्टूडेंट्स की इंटर्नशिप में लगेगी अटेंडेंस

जयपुर ♦ इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स की इंटर्नशिप में अब स्टूडेंट्स को न केवल रोजाना अटेंडेंस लगानी होगी, बल्कि अपना रोजमर्रा का काम भी प्रदर्शित करना होगा। इंटर्नशिप छह महीने की होगी और यह फर्स्ट ईयर से ही शुरू हो जाएगी। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीई) ने इसी सेशन से एन्रोल हुए स्टूडेंट्स के लिए इंटर्नशिप पॉलिसी इंट्रोड्यूस की है। छह महीने की यह ट्रेनिंग तीन साल में बांटी गई है। फर्स्ट ईयर में दो महीने जून-जुलाई में कॉलेज की फैसिलिटीज के जरिए इंटर्नशिप करनी होगी। इसके क्रेडिट्स तय किए गए हैं। स्टूडेंट्स को काउंसिल की ओर से बनाए गए विशेष वेबपोर्टल पर इसकी अटेंडेंस लगानी होगी और बताना होगा कि उनकी



स्टूडेंट्स की इंटर्नशिप की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए पॉलिसी इंट्रोड्यूस की गई है। जिसके बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है।

प्रो.एम.पी.पूनिया, वाइस चेयरमैन, एआइसीटीई

लर्निंग क्या रही। सेकंड ईयर में स्टूडेंट्स अलग-अलग विभागों के अनुसार कार सर्विस सेंटर, मैकेनिक, मोबाइल शॉप्स, स्मॉल आइटी कंपनीज में इंटर्नशिप कर सकेंगे। इसका उद्देश्य रियल लाइफ

प्रॉब्लम्स को फेस कराना है। थर्ड ईयर में स्टूडेंट्स को दो महीने बड़ी इंडस्ट्रीज में काम करना होगा। जबकि लास्ट ईयर में थ्योरी के साथ प्रोजेक्ट कर सकेंगे। जिसमें प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स को जज किया जाएगा। इसमें उसे इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट कम्प्लीट करना होगा। प्रत्येक वर्ष की इंटर्नशिप के लिए क्रेडिट्स तय किए जा चुके हैं।

पांच इंडस्ट्री से जुड़ना होगा काउंसिल के अधिकारियों के अनुसार, हर कॉलेज को पांच इंडस्ट्री से जुड़ना जरूरी होगा। हालांकि अभी कॉलेजों को सिर्फ सजेशन दिए जा रहे हैं, लेकिन भविष्य में इसे जरूरी किया जाएगा। ताकि एकेडमिया और इंडस्ट्री की पार्टनरशिप और इंजीनियरिंग की क्वालिटी में बढ़ोतरी हो।